वाट्सऐप @ 94140-78380, 92140-78380 | वर्ष :4 अंक : 03 | रविवार 28 अप्रैल 2024 | दैनिक ई-पेपर

शाबाश इंडिया

@ShabaasIndia | प्लॉट नंबर 8, ओझा जी का बाग, गांधी नगर मोड, टोंक रोड, जयपुर

अब हवा से बनेगा शुद्ध पानी

दिनभर में तैयार होगा 165 लीटर पेयजल;12वीं की स्टूडेंट ने लगवाई 11 लाख की मशीन

जयपुर. शाबाश इंडिया

देश-दुनिया में नमक के प्रोडक्शन के लिए पहचान रखने वाले राजस्थान के सांभर में अब हवा से शुद्ध पानी तैयार होगा। यहां ऐसी सोलर मशीन लगाई गई है, जो हवा में मौजूद पानी को लिक्विड रूप में निकालेगी। यह मशीन पूरी तरह से सौर ऊर्जा से संचालित होगी और 1 दिन में 165 लीटर शुद्ध पीने योग्य पानी तैयार करेगी। जयपुर से करीब 70 किलोमीटर की दूरी पर स्थित सांभर कस्बे में जमीन का पानी खारा है, जिसके कारण पीने के पानी किल्लत है। सरकार की पेयजल योजनाओं से भी यहां काफी कम मात्रा में पानी सप्लाई होता है। ऐसे में यहां के लोगों को दूषित पानी पीना पड़ता है। यहां पेयजल किल्लत की समस्या को दूर करने के लिए जयपुर की बेटी प्रांजल शर्मा (16) ने आकाशगंगा वाटर फॉर लाइफ प्रोजेक्ट शुरू किया। 12वीं क्लास की स्टूडेंट प्रांजल ने अपने स्कूल फ्रेंड्स, टीचर्स और फैमिली फ्रेंड से फंडिंग लेने के साथ ही अपनी सेविंग के 5 लाख रुपए इस प्रोजेक्ट में डोनेट किए। इसके बाद अब सांभर में 11 लाख रुपए की लागत का सोलर एटमॉसफेरिक वाटर जनरेटर लगाया है। इस मशीन से सांभर के 3 गांव में रहने वाले सैकड़ों लोगों को हर दिन पीने का शुद्ध पानी उपलब्ध हो सकेगा।

दूषित पानी से हुई थी कई पक्षियों की मौत

प्रांजल ने बताया- करीब 2 साल पहले सांभर में दूषित पानी की वजह से हजारों पक्षियों की मौत हुई थी। रोजाना हजारों पक्षियों की मौत की खबरें देखी तो मैंने मौके पर जाकर हकीकत जानने की कोशिश की। यहां पहुंचने पर मुझे पता चला कि इन पक्षियों की मौत का कारण दूषित पानी है। सांभर में दूषित पानी के कारण पक्षियों की ही नहीं कई छोटे बच्चों की भी मौत हो चुकी है। बड़ी संख्या में लोग बहरापन-अंधापन जैसी गंभीर बीमारियों के शिकार हो चुके हैं। पेयजल को लेकर मैंने लोगों से पूछा तो पता चला कि यहां सरकार की पेयजल योजनाओं से काफी कम मात्रा में पानी सप्लाई हो पाता है। पेयजल समस्या के समाधान के लिए सरकार काफी प्रयास कर चुकी है, लेकिन कोई स्थायी समाधान नहीं निकल पाया। आरओ में भी बड़ी मात्रा में पानी व्यर्थ जाता है। टैंकरों से पानी मंगवाना महंगा पड़ता है, ऐसे में दूषित जल पीने को मजबूर हैं।

रिसर्च में मिली चेन्नई की कंपनी की जानकारी

प्रांजल शर्मा ने बताया- हकीकत जानने के बाद मैंने सांभर में पेयजल समस्या का स्थायी समाधान ढूंढने के लिए रिसर्च शुरू की। कुछ महीनों बाद मुझे पता चला कि चेन्नई में एक ऐसी कंपनी है, जो हवा से पानी बनाने की मशीन तैयार करती है। इस तकनीक को वायुमंडलीय जल उत्पादन यानी एटमॉसफेरिक वाटर जनरेटर कहा जाता है। इसके बाद मैंने कंपनी के प्रतिनिधियों से बात कर सांभर की पेयजल समस्या के बारे में बताया। इसके बाद कंपनी के प्रतिनिधियों ने सांभर के हालात का जायजा लिया। उन्होंने सांभर की मौजूदा स्थिति को देखते हुए सोलर वाटर जनरेटर बनाने का फैसला किया। इसे पूरी तरह इंस्टॉल करने में 10 लाख रुपए से ज्यादा की लागत आ रही थी, लेकिन तब मेरे पास इतने रुपए नहीं थे।

अपनी बचत के 5 लाख रुपए प्रोजेक्ट में किए डोनेट

प्रांजल शर्मा ने बताया- फिर मैंने सांभर की पेयजल समस्या के लिए आकाशगंगा वाटर फॉर लाइफ प्रोजेक्ट शुरू किया। इसके तहत मैंने अपने स्कूल फ्रेंड्स, टीचर्स और फैमिली फ्रेंड से फंडिंग ली, लेकिन इसके बाद भी 10 लाख रुपए इकट्ठे नहीं हुए। तब मैंने अपनी सेविंग के 5 लाख रुपए इस प्रोजेक्ट में डोनेट किए। अब 2 साल की मेहनत के बाद सांभर के ग्राम चेतना केंद्र, खेड़ी मिलक में सोलर एटमॉसफेरिक वाटर जनरेटर लग पाया है। यह मशीन हर दिन 165 लीटर पीने का शुद्ध पानी तैयार करेगी। प्रांजल ने बताया कि यह एक मशीन सांभर के तीन गांव के लोगों की प्यास बुझाने का काम करेगी, लेकिन पूरे सांभर में पीने के पानी की डिमांड बहुत ज्यादा है, जिसके लिए एक मशीन काफी नहीं है। इसलिए मैं चाहती हूं कि सरकार और स्वयंसेवी संस्थाएं भी सांभर के लोगों की समस्या को समझें और उनको पीने का शुद्ध पानी उपलब्ध कराने के लिए अपना योगदान दें।

हवा में मौजूद पानी को लिक्विड रूप में निकालेगी मशीन

प्रांजल ने बताया- एटमॉसफेरिक वाटर जनरेटर मशीन नैनो टेक्नोलॉजी पर काम करती है। इसमें अलग-अलग तरह के प्यूरीफायर लगे हुए हैं, जो हवा से शुद्ध जल को जनरेट करते हैं। यह पानी मिनरल युक्त और शुद्ध होता है। दरअसल, हवा में आर्द्रता (ह्यूमिडिटी) मौजूद रहती है यानी सीधे शब्दों में हवा में पानी की मौजूदगी। एटमॉसफेरिक वाटर जनरेटर मशीन हवा में मौजूद पानी को लिक्विड रूप में निकालती है। आम तौर पर यह मशीन बिजली से चलती है। इस मशीन में लगी कॉइल्स की मदद से हवा में मौजूद पानी कंडेंस होकर द्रव (लिक्विड) रूप में आ जाता है। इस मशीन में कई फिल्टर भी लगाए गए हैं, जिनके जरिए पानी शुद्ध रूप में मिलता है। इस मशीन से पांच स्टेप में पानी फिल्टर होगा और ये फिल्टर स्टेप हैं कचरा हटाना, प्री कार्बन, पोस्ट कार्बन, खनिज गुणवत्ता सुधार और यूवी फिल्टर। अगर हवा में आर्द्रता ज्यादा होगी, तभी इस मशीन से पानी निकल सकेगा। अगर हवा में आर्द्रता 20 फीसदी से कम है, तो ये मशीन पानी नहीं निकालेगी।

12वीं क्लास की स्टूडेंट हैं प्रांजल शर्मा

प्रांजल शर्मा जयपुर के जयश्री पेरीवाल इंटरनेशनल स्कूल में 12वीं क्लास में पढ़ाई करती हैं। प्रांजल ग्लोबल पॉलिटिक्स, इकोनॉमिक्स और एनवायरमेंटल साइंस सब्जेक्ट पढ़ रही हैं। इनके पिता विनय शर्मा इंश्योरेंस कंसल्टेंट हैं और मां रम्य शर्मा ज्वेलरी डिजाइनर हैं। उनकी इस उपलब्धि की सभी ने खुले से प्रशंसा की है।

ई सी के वेलफेयर सोसाइटी की कार्यकारिणी का निर्विरोध गठन

इंजि मनीष जैन अध्यक्ष,
पीयूष गोयल सचिव बने

कोटा। ई सी के वेलफेयर सोसाइटी की कार्यकारिणी का निर्विरोध गठन किया गया। जिसमें कोटा निवासी इंजि मनीष जैन को अध्यक्ष, पीयूष गोयल को सचिव, सत्येंद्र श्रीवास्तव को कोषाध्यक्ष, दिल्ली निवासी वंदना जैन को उपाध्यक्ष, बीकानेर के मुकेश अग्रवाल को सह सचिव, नोएडा के विक्रम राजोला को पी आर ओ पद पर चयनित किया गया।अध्यक्ष मनीष जैन ने बताया कि ECK वेल्फेयर ट्रस्ट का गठन कोटा, भारत में एक चैरिटेबल ट्रस्ट के रूप में पंजीकृत एक गैर-लाभकारी संगठन के रूप में किया गया है।यह ट्रस्ट एक ऐसा संगठन हैं जो दुनिया भर में ईसीके पूर्व इंजीनियरिंग छात्रों को एकजुट करने के लिए एक ऐसा मंच प्रदान करने पर काम कर रहा है जहां हर ईसीकेवासी को प्यार, स्नेह और अपनेपन की खुशबू महसूस होती है। ECKWT "एकता ही ताकत है" कहावत में अत्यधिक विश्वास रखता है। ECKWT का नारा है "समाज को वापस देना"सचिव पीयूष गोयल ने बताया कि ईसीके समुदाय के सभी लोग, किसी भी बैच, किसी भी स्थान, किसी भी विचारधारा और किसी भी चीज़ से हों, को इस महान पहल का हिस्सा बनने के लिए आमंत्रित किया जाता है।हमारा लक्ष्य अपने साथी ईसीकेवासियों की सेवा करना, समर्थन करना और उन्हें सशक्त बनाना है। ECKWT का मानना है कि यदि हम सभी एक साथ मिलकर समन्वित तरीके से काम करेंगे तो हम समाज में सकारात्मक बदलाव लाने में सक्षम होंगे।कॉलेज के साथियों के परिवारों का समर्थन करने के

अलावा हम बड़े पैमाने पर समाज के लिए काम करेंगे। जिन उद्देश्यों के लिए ट्रस्ट फंड की स्थापना की गई है, उनमें गरीबों और वंचितों को शैक्षिक, सामाजिक, आर्थिक और चिकित्सा राहत और सामान्य सार्वजनिक उपयोगिता और सामुदायिक कल्याण की किसी अन्य धर्मार्थ और विकासात्मक वस्तुओं की उन्नति भी शामिल है।संगठन का विस्तार करते हुए देश विदेश जहां पर भी इंजीनियरिंग कॉलेज कोटा के पूर्व छात्र है उन्हे संस्था से जोड़ा जाएगा और सभी सगह सेवाभाव का कार्य किया जायेगा।

शाबाश इंडिया समाचार पत्र के सफलतापूर्वक 11 वर्ष पूर्ण करने व 12 वें वर्ष में प्रवेश करने पर हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं

Human Glory Foundation

प्रमोद जैन भँवर

(भाजपा व्यापार प्रकोष्ठ संयोजक आदर्श नगर विधानसभा व संस्थापक अध्यक्ष ह्यूमन ग्लोरी फाउंडेशन)

9351944555, 9664062271

Instagram- @humangloryfoundation
Facebook- Human Glory Foundation
Gmail - humangloryfoundation@gmail.com

मनीषा जैन भँवर

(समाज सेविका) 9351223666

अन्तर्मना आचार्य श्री प्रसन्न सागर जी के प्रवचन से...

गुरू ने क्या दिया,
हाथ में, दिया ही दे दिया...!

जो भीतर की आँख है ना, सद्गुरू के खोलने से ही खुलती है। गुरू ही इस आँख से पर्दा उठाकर इसमें रोशनी बख्शता है, इसमें रोशनी भरता है। और जब यह आँख खुल जाती है तभी जीवन में प्रकाश बरसता है, और अपनी जिन्दगी दिखाई पड़ती है। ज़िन्दगी की असली मनज़िल दिखाई पड़ती है। अभी जिसे तुम ज़िन्दगी कहते हो ये सबकी जूठन है। अभी तुम जूठी और झूठी जिन्दगी जी रहे हो। आज तुम जिन सुख सुविधाओं को भोग रहे हो, इससे पहले इन्हें तुम्हारे जैसे और कई - कई लोग भोग चुके हैं। तुम स्वयं भी भोग चुके हो। यह स्त्री, पुत्र, घर, परिवार, रूपया-पैसा, जमीन-जायदाद और पद-प्रतिष्ठा, तुम्हें कोई पहली बार नहीं मिली है। यह सब तो हर जन्म में मिलता ही है। तुम इन्हें कई - कई जन्मों से भोगते आ रहे हो, तो यह सब भोग सामग्री तुम्हारे द्वारा पहले भी भोगी जा चुकी है, और तुम इसे फिर से भोगने के मूड में हो,, तो यह सब जूठन नहीं तो और क्या है? इसलिए तुम जूठी और झूठी जिन्दगी जी रहे हो, झूठी शान शौकत में जी रहे हो। इस जिन्दगी का क्या भरोसा--? कब जिन्दगी का दिया बूझ जाये और मौत का

अन्धेरा छा जाये,, कुछ भी कहा नहीं जा सकता।

क्या भरोसा इस ज़िन्दगी का,
साथ देती नहीं ये किसी का।
स्वांस रूक जायेगी चलते चलते,
समा बुझ जायेगी जलते जलते।
दम निकल जायेगा रोशनी का,
क्या भरोसा इस जिन्दगी का...!

-नरेंद्र अजमेरा
पियुष कासलीवाल औरंगाबाद

खाओ, खिलाओ, खिलखलाओः उपाध्याय श्री विहसन्तसागर जी

आगरा. शाबाश इंडिया। आगरा के कमला नगर स्थित श्री महावीर दिगंबर जैन मंदिर में उपाध्याय श्री विहसंत सागर जी महाराज धर्मसभा को संबोधित करते हुए कहा कि अगर खुद 4 रोटी खाते हो तो 2 रोटी अतिथि के नाम की बनाकर रखना पहले अतिथी को खिलाओ फिर स्वयं खाओ, उन्होंने श्रावक के 12 व्रतो मे से अतिथि संविभाग व्रत के बारे मे बताते हुए कहा कि प्रत्येक श्रावक के लिये मुनीयों को आहारदान तो आवश्यक है ही, परन्तु मन्दिर मे कोई बाहर का अतिथी आ जावे तो उसके भोजन की व्यवस्था पहले करना भी उतना ही आवश्यक है! उन्होने आगरा जैन समाज को नगर के मध्य निर्धारित दर पर एक शुद्ध भोजनशाला खोलने हेतु उपदेश दीया, उन्होने कहा कि उससे बाहर से आने वाले अतिथि तो लाभान्वित होंगे ही साथ ही साथ नगर मे रहने वाने एकल परिवार भी इसका लाभ ले सकेंगे, उन्होने आगे कहा कि कभी भी किसी से चाह मत रखो, जो मिल जाये उसको अपना अहोभाग्य समझो उपरोक्त विचार आज प्रातःकाल श्री महावीर दिगम्बर जैन मन्दिर कमलानगर मे आयोजित प्रातः कालीन सभा मे पूज्य महाराज जी ने व्यक्त किए। प्रवचन सभा का शुभारंभ मंगलाचरण से श्रीमती अमिता जैन शास्त्री परिवार, दीप प्रज्वलन श्री मुकेश बाबू जैन एडवोकेट,पाद प्रक्षालन श्री जगदीश प्रसाद जैन, अनिल रईस, अनिल ऋषक मनोज बूरेवाले, महेश जैन, सुभाष जैन बन्टी द्वारा व शास्त्र भेंट श्रीमती रश्मी गौयल, सुविणा रईस, सुशीला जैन, ऊषा जैन शास्त्री ने किए। संचालन मनोज जैन बांकलीवाल ने किया। श्री पार्श्वनाथ दिगम्बर जैन मन्दिर शालीमार एनक्लेव कमलानगर ने आगामी मंगल प्रवास के लिए श्रीफल अर्पण किया।

पर्दे के मगरूर...

कुछ लोगों के उम्रभर, नहीं बदलते ख्याल।
राहें सीधी हों भले, चलते टेढ़ी चाल।।

सीखा मैंने देर से, सहकर लाखों चोट।
लोग कौन से हैं खरे, और कहाँ है खोट।।

मैं कौवा ही खुश रहूँ, मेरी खुद औकात।
तू तोते-सा पिंजरे, कहता उनकी बात।।

'सौरभ' मेरी गलतियां, जग में हैं मशहूर।
फिक्र स्वयं की कीजिये, पर्दे के मगरूर।।

घर में पड़ी दरार पर, करो मुकम्मल गौर।
वरना कोई झाँक कर, भर देगा कुछ और।।

मतलब के रिश्ते जुड़े, कब देते बलिदान।
वक्त पड़े पर टूटते, शोक न कर नादान।।

उनका क्या विश्वास अब, उनसे क्या हो बात।
'सौरभ' अपने खून से, कर बैठे जो घात।।

कहाँ प्रेम की डोर अब, कहाँ मिलन का सार।
परिजन ही दुश्मन हुए, छुप-छुप करे प्रहार।।

-डॉ. सत्यवान सौरभ

वेद ज्ञान

सच अपार और अनंत

ऊंचाई विकास का प्रतीक है। ऊपर उठने का अर्थ है दृष्टि बदल जाना। नीचे रहने पर जो चीजें हमें लुभाती हैं और हमारे लिए बहुत बड़ी होती हैं, जैसे-जैसे ऊपर उठते जाएं, वे छोटी और अनाकर्षक होती जाती हैं। कभी वायुयान की खिड़की से नीचे देखें, तो बड़े-बड़े महल माचिस की डिब्बी जैसे लगते हैं, आलीशान कारें चीटियों-सी रेंगती नजर आती हैं। लोग बिंदु जैसे दिखते हैं। ऊंचे उठने पर हमें यह भी अहसास होता है कि हमारे पैरों तले कोई आधार नहीं है और जीवन का कोई भरोसा नहीं। अधिक ऊपर चले जाएं तो नीचे एक शून्य के दर्शन होते हैं और तीव्र विरक्ति पैदा होती है। यह शून्य ही वास्तविकता है, किंतु हम इसे मानने को तैयार नहीं हैं। ऊपर उठने के बाद हमें ऊपर की विशालता और सुंदरता का भी ज्ञान होता है। जिसे हमने अपनी दुनिया समझ रखा था, वह वास्तव में व्यापक रचना का बिंदु मात्र है। जिसे हम सुंदर मान कर मोहित हो रहे थे, वह सुंदरता का आभास है। व्यापक और वास्तविक सुंदरता तो तब नजर आती है, जब हम समदृष्टि से पूरे ब्रह्मांड को एकबारगी देख पाते हैं। नीचे रह के हमारी देखने की क्षमता संकुचित हो जाती है और जो कुछ हमें दिख रहा होता है, उसे ही सच और सुंदर मान लेने के अतिरिक्त हमारे पास और कोई विकल्प नहीं होता। ऐसा नहीं कहा जा सकता कि जितना हम देख पा रहे हैं, दुनिया उसके आगे नहीं है। देखने, सुनने और समझने की हमारी सीमाएं हैं। यह भी तय है कि सच अपार और अनंत है। यदि ऐसा न होता, तो नित नई खोजें, नई जानकारियां हमें विस्मित न करती रहतीं। ऋषियों, मुनियों, धर्मात्माओं ने ऊंचे उठकर नए अनुभव हासिल किए, जिनमें से कुछ उन्होंने संसार के साथ बांटे भी। इसके बावजूद हमारा ज्ञान अति अल्प है। मनुष्य अभी तक जन्म और मृत्यु का ही रहस्य नहीं समझ पाया है। यदि निश्चित और अंतिम कुछ नहीं है तो मनुष्य स्वयं को ज्ञानी कैसे कह सकता है? हमारी समस्या है कि हमने निकटता वहां पैदा कर ली है, जहां दूरी होनी चाहिए। इससे हम वहां से दूर हो गए हैं, जहां हमें पहुंचना था। हम अपनी समझ के बनाए गए बुलबुले में कैद हो कर रह गए हैं। इससे बाहर आना ही ऊपर उठना है। तभी हम अपना उत्थान कर सकते हैं।

संपादकीय

ईवीएम पर नाहक सवाल

एक बार फिर सर्वोच्च न्यायालय ने स्पष्ट कर दिया कि इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन यानी ईवीएम पर नाहक सवाल उठाना उचित नहीं है। इससे शक ही पैदा होता है। अदालत ने ईवीएम संबंधी सभी याचिकाओं को खारिज कर दिया। दरअसल, ईवीएम को लेकर आशंका जाहिर की जा रही थी कि उसे बाहर से नियंत्रित किया और मतों में गड़बड़ी की जा सकती है। अदालत के सामने इस पर रोक लगाने की गुहार लगाई गई थी।

इसके पक्ष में कई ऐसे प्रमाण भी दिए गए थे कि कहां-कहां कुल पड़े मतों और मशीनों में पड़े मतों की संख्या में अंतर पाया गया। विपक्षी दल इसे लेकर काफी आक्रामक थे और लगातार आशंका जाहिर कर रहे थे कि सत्तापक्ष मशीनों के जरिए मतदान प्रक्रिया को प्रभावित कर सकता है। इसमें कई स्वयंसेवी संगठन और विशेषज्ञ भी शामिल थे, जिनका दावा था कि ईवीएम को बाहर से संचालित किया जा सकता है। हालांकि भारत निर्वाचन आयोग लगातार तर्क दे रहा था कि ईवीएम सौ फीसद सुरक्षित हैं और उनमें किसी प्रकार की गड़बड़ी की गुंजाइश नहीं है। इस मामले ने इतना तूल पकड़ लिया था कि आम मतदाता के भीतर भी यह भ्रम पैदा हो गया कि ईवीएम में गड़बड़ी करके कोई पार्टी अपने पक्ष में मतों की संख्या बढ़ा सकती है। ईवीएम पर संदेह जाहिर करते हुए अदालत में गुहार लगाने वालों की मांग थी कि मतदान के बाद जो पर्ची कट कर बक्से में गिरती है उसे मतदाता के हाथ में दिया जाए और वह उसे खुद अलग बक्से में डाले फिर मशीन के साथ ही उन पर्चियों का मिलान कर अंतिम रूप से मतों की गणना की जाए। मगर सर्वोच्च न्यायालय ने उस मांग को खारिज कर दिया। दरअसल, इस तरह मतदान की गोपनीयता का उल्लंघन होने का खतरा था। मगर इसमें अदालत ने निर्वाचन आयोग को निर्देश दिया है कि वह मशीनों में चुनाव चिह्न निर्धारित हो जाने के बाद उन्हें सीलबंद कर दे। उसने एक और रास्ता खोल दिया है कि अगर कोई प्रत्याशी किन्हीं मशीनों के बारे में शिकायत दर्ज कराता है, तो विशेषज्ञों से उनकी जांच कराई जाए। उस जांच का सारा खर्च संबंधित प्रत्याशी को उठाना पड़ेगा। इसे बहुत से लोग बड़ी राहत की बात मान रहे हैं। इस तरह गड़बड़ियों की जांच हो सकेगी। पर अब यह तो तय है कि ईवीएम को लेकर जिस तरह के भ्रम बने हुए थे, वे याचिकाकर्ताओं के मन से काफी हद तक दूर हो चुके होंगे। हालांकि यह पहला मौका नहीं था, जब ईवीएम पर संदेह जताते हुए अदालत में गुहार लगाई गई थी। इसके पहले भी कई मौकों पर इसे चुनौती दी गई थी। पिछले आम चुनाव के वक्त भी इस मसले को काफी ल दिया गया था। हालांकि निर्वाचन आयोग ने बार-बार मशीन की निर्दोषिता सिद्ध करने की कोशिश की थी, पर उस पर किसी को विश्वास नहीं हो रहा था। अब सर्वोच्च न्यायालय के फैसले के बाद इस पर संदेह की कोई गुंजाईश नहीं रह गई है। राजनीतिक दलों को मशीन पर शक करने के बजाय मतदाताओं अधिक भरोसा करने की जरूरत है। मशीन पर शक करने से नाहक मतदाताओं के भीतर भ्रम पैदा हुआ है। **-राकेश जैन गोदिका**

परिदृश्य

विकसित देश बनने की चुनौतियां

इन दिनों पूरी दुनिया की निगाहें भारत के 2047 तक विकसित देश बनने के संकल्प पर लगी हुई हैं। दरअसल, आने वाले तेईस वर्षों में भारत को विकसित देश बनाना एक चुनौतीपूर्ण लक्ष्य है। इस समय दुनिया में चालीस ही देश विकसित हैं, जिनमें प्रमुख रूप से औद्योगिक रूप से विकसित यूरोपीय देश हैं। भारत अभी विकासशील देश है। इसे विकसित देश बनाने के लिए लगातार आठ से नौ फीसद वार्षिक विकास दर प्राप्त करना जरूरी है। देश की मौजूदा प्रति व्यक्ति आय, जो करीब 2600 डालर है, उसे करीब 12 हजार डॉलर तक पहुंचाने, मजबूत आर्थिक सुधारों, कृषि एवं श्रम सुधारों, अधिक पूंजीगत व्यय अधिक बुनियादी ढांचा परियोजनाओं, राजकोषीय आदर्श, सांस्कृतिक और राष्ट्रीय विकास के मूल्य, स्वास्थ्य और शिक्षा क्षेत्र में अधिक गुणवत्तापूर्ण विकास तथा गरीबी और भ्रष्टाचार उन्मूलन की राह पर रणनीतिक रूप से तेजी से आगे बढ़ना प्रमुख चुनौतियां है। इसमें कोई दो राय नहीं कि भारत के विकसित राष्ट्र बनने की संभावनाओं के कई आधार हैं। भारत दुनिया में वैश्विक मंदी की चुनौतियों के बीच आर्थिक विकास की डगर पर लगातार तेजी से आगे बढ़ रहा है। 10 अप्रैल को एशियाई विकास बैंक (एडीबी) ने वित्तवर्ष 2024 2025 के लिए भारत के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) का वृद्धि दर अनुमान बढ़ाकर सात फीसद कर दिया। उसने पहले 6.7 फीसद वृद्धि का अनुमान लगाया था। उसने कहा कि सार्वजनिक और निजी निवेश के बेहतर परिदृश्य और सेवा क्षेत्र की मजबूत स्थिति को देखते हुए जीडीपी वृद्धि दर अनुमान को बढ़ाया गया है। भारत में बुनियादी ढांचे के विकास पर केंद्र और राज्य सरकारों के पूंजीगत निवेश और निजी कंपनियों के निवेश बढ़ने, सेवा क्षेत्र के मजबूत प्रदर्शन तथा उपभोक्ता के आत्मविश्वास में सुधार की बदौलत वित्तवर्ष 2024-25 में वृद्धि को बढ़ावा मिलेगा। वस्तुओं के निर्यात में सुधार और विनिर्माण तथा कृषि उत्पादन बढ़ने से वित्तवर्ष 2025 26 भी वृद्धि दर बढ़ेगी। एडीबी का संशोधित अनुमान भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) द्वारा चालू वित्तवर्ष के लिए लगाए गए सात फीसद वृद्धि के अनुमान के अनुरूप है। आरबीआइ की मौद्रिक नीति समिति ने कहा है कि इस वर्ष 2024 में दक्षिण-पश्चिमी मानसून के अच्छा रहने की उम्मीद है, जिससे कृषि गतिविधियों में तेजी आएगी। इसके साथ ही शहरों में मांग बनी रहने और ग्रामीण बाजारों में मांग बढ़ने से निजी खपत में भी तेजी आएगी। तमाम बाजार संकेतक सकारात्मक दिखाई दे रहे हैं। इससे विकसित भारत की डगर आगे बढ़ेगी। दुनिया की प्रमुख वैश्विक क्रेडिट रेटिंग एजेंसियों ने कहा है कि विनिर्माण, निवेश और निर्यात के मद्देनजर भारत में स्थितियां उपयुक्त हैं। भारत में कई अहम आर्थिक सुधार हुए और उनका सकारात्मक असर दिखाई दे रहा है। वैश्विक स्तर पर प्रत्यक्ष विदेशी निवेश में गिरावट के रुझान के बीच भारत दुनिया के सर्वाधिक एफडीआइ प्राप्त करने वाले प्रमुख देशों में शामिल है भारत का विदेशी मुद्रा भंडार भी तेजी से बढ़ा है। भारत ने एक उत्पादक राष्ट्र के रूप में आधार तैयार किया है। भारतीय अर्थव्यवस्था के बाहरी झटकों से उबरने की क्षमता देश के टिकाऊ विकास की बुनियाद बन गई है। इसमें कोई दो मत नहीं कि इस समय भारत के पास टिकाऊ विकास के अभूतपूर्व अवसर हैं। वैश्विक राजनीतिक और आर्थिक मंचों पर भारत को विशेष अहमियत दी जा रही हैं। भारत वैश्विक मंच पर बड़ी भूमिका के लिए तैयार हैं। तेजी से बढ़ते भारतीय बाजार के कारण भारत के मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) बढ़ रहे हैं।

स्पिक मेके ने यूथ को करवाया शास्त्रीय नृत्य-''कत्थक'' से रूबरू

जयपुर. शाबाश इंडिया। महावीर पब्लिक स्कूल सी-स्कीम,जयपुर में ''वर्ल्ड डांस डे'' के सेलिब्रेशन के उपलक्ष्य में स्पिक मेके, हेरिटेज क्लब की ओर से कत्थक डांस प्रोग्राम हुआ। विद्यालय के मानद् मंत्री सुनील बक्शी एवं प्राचार्या श्रीमती सीमा जैन ने भारत की बेटी अवार्ड, देवदासी नेशनल अवार्ड, श्री कृष्णा गाना सभा एंडॉवमेंट अवार्ड, यंग वूमेन अचीवर्स अवार्ड, अटल सम्मान, बिस्मिल्लाह खान युवा पुरस्कार आदि कई उपलब्धियां प्राप्त अतिथि कलाकार विद्यालाल का पुष्प गुच्छ भेंट करके स्वागत किया। कत्थक नृत्यांगना विद्यालाल ने विद्यार्थियों को तीन ताल, थाट, उपज, उठान, भ्रमरी, बोल, पढंत, चक्कर, टुकड़ा, जुगलबंदी आदि कत्थक नृत्य की कई विधाओं से परिचित करवाया। विद्या लाल ने नृत्य के द्वारा भगवान शिव के रूप को प्रस्तुत किया। श्रीकृष्ण को समर्पित ''मोहे छेड़ो नंद के लाल'' पर प्रस्तुति ने सबको मंत्र मुक्त कर दिया। विद्यालय ने प्रस्तुति के बीच में विद्यार्थियों से प्रश्नोत्तर का राउंड भी किया, जिसे बच्चों ने बहुत एंजॉय किया। विद्यालाल के साथ श्री अमनलाल ने तबले पर शोएब हसन ने गायन द्वारा व आमिर खान ने सारंगी द्वारा संगत की। स्पिक मेके संस्था का उद्देश्य पाश्चात्य संस्कृति की तरफ जाती हुई युवा पीढ़ी का रुझान भारतीय शास्त्रीय संगीत की और आकृष्ट करना है, जिससे युवा पीढ़ी लुप्त हो रही भारतीय संस्कृति की विरासत को बचा सके। कार्यक्रम के अंत में मानद् मंत्री सुनील बख्शी एवं प्राचार्या श्रीमती सीमा जैन ने विद्यालाल को धन्यवाद देते हुए स्मृति चिन्ह भेंट किया।

हसमुख गांधी पावागिरि ऊन के कार्याध्यक्ष मनोनित

श्री हसमुख जैन गांधी

इन्दौर। स्वर्ण भद्र आदि चार महामुनिराजो सहित अनेक सिद्ध परमेष्ठि भगवंतो की निर्वाण भूमि,भगवान महावीर स्वामी के अतिशय से आच्छादित श्री दिगंबर जैन सिद्ध क्षेत्र पावागिरि जी ऊन ट्रस्ट की बैठक में वरिष्ठ समाजसेवी हसमुख गांधी को ट्रस्ट कमेटी का कार्याध्यक्ष मनोनित किया गया है। गांधी अभी विगत 12वर्ष से मंत्री पद के दायित्व का निर्वहन कर रहे थे। क्षेत्र पर आगामी वर्ष 2025में भव्य पंच कल्याणक महोत्सव का आयोजन आचार्य श्री विशुद्ध सागर जी महाराज के सान्निध्य में किया जाएगा। गांधी ने बताया कि वे पावागिरि जी ऊन के विकास हेतु विस्तृत कार्ययोजना तैयार कर कार्य करेंगे। गांधी के मनोनयन पर दिगंबर जैन समाज इंदौर के अध्यक्ष राजकुमार पाटोदी, महामंत्री सुशील पांड्या, मंत्री डॉक्टर जैनेंद्र जैन, महावीर ट्रस्ट के अध्यक्ष अमित कासलीवाल, सोशल ग्रुप फेडरेशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष राकेश विनायका, सोशल ग्रुप फेडरेशन के मीडिया प्रभारी राजेश जैन दद्दू, , टी के वेद, राजेश जैन लॉरेल, आदि ने श्री गांधी को बधाई एवं शुभकामनाएं दी। **-राजेश जैन दद्दू मीडिया प्रभारी**

होनहार सीए छात्र स्व.ऋषभ जैन कोटखावदा को 15 वीं पुण्य स्मृति पर

धार्मिक, सामाजिक एवं मानव सेवा कार्य कर करेगें याद- चूलगिरी पर करेगें सामूहिक अभिषेक, पूजा अर्चना - कैंसर पीड़ित बच्चों को बांटेगे राशन, स्टेशनरी एवं फल - सायंकाल करेगें णमोकार महामंत्र एवं भक्तामर स्तोत्र के पाठ

होनहार सीए छात्र स्व. ऋषभ जैन कोटखावदा

जयपुर. शाबाश इंडिया। जैन सोश्यल ग्रुप मेट्रो जयपुर के संस्थापक अध्यक्ष, प्रसिद्ध समाजसेवी विनोद-दीपिका जैन कोटखावदा के सुपुत्र होनहार सीए छात्र स्व.ऋषभ जैन की 15वीं वीं स्मृति के मौके पर ऋषभ सेवा संस्थान, जैन सोश्यल ग्रुप मेट्रो एवं संगिनी फारम जेएसजी मेट्रो के संयुक्त तत्वावधान में धार्मिक, सामाजिक एवं मानव सेवा कार्य किए जाएंगे। तारों की कूट के सूर्यनगर स्थित ऋषभ सेवा संस्थान के अध्यक्ष महेन्द्र साह आबूजीवाले एवं मानद् सचिव विनोद जैन कोटखावदा ने बताया कि इस मौके पर रविवार, 28 अप्रैल को प्रात: 8.00 बजे से 10.00 बजे तक आगरा रोड स्थित श्री पार्श्वनाथ दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र चूलगिरी में सामूहिक दर्शन, अभिषेक के बाद पूजा अर्चना की जाएगी।

मालवीय नगर सेट 7 जैन समाज ने गुरुमाँ विज्ञाधी माताजी के चरणों में श्रीफल समर्पित किया

जयपुर. शाबाश इंडिया। श्री आदिनाथ दिगम्बर जैन मंदिर महारानी फार्म, गायत्री नगर-ए, जयपुर में विराजमान प. पू. भारत गौरव, श्रमणी गणिनी आर्यिका 105 गुरुमाँ विज्ञाश्री माताजी ने प्रवचन सभा में उपस्थित -श्रद्धालुओं को धर्मोपदेश देते हुए कहा कि - गलती पीठ की तरह होती है, दूसरों की दिखती है पर स्वयं की नहीं मनुष्य के पास दूसरों की गलतियां देखने के लिए बहुत समय है पर खुद की गलती देखने का समय नहीं है। इसी सोच से आज घर-घर में हर एक रिश्ते में लड़ाईयां हो रही है। रिश्तों को कायम रखने का एक ही सूत्र है- जितनी सहजता से अपनी गलती को भूल जाते हो, उतनी ही सहजता से दूसरों की भी गलती को भूल जाओ। माताजी ससंघ के सान्निध्य में प्रातः अभिषेक शांतिधारा, श्री जिनसहस्त्रनाम मंगल पाठ का आयोजन हुआ। पूज्य गुरू माँ की आहारचर्या निर्विघ्न सम्पन्न कराने का सौभाग्य महावीर बडजात्या गायत्री नगर सपरिवार प्राप्त किया। पूज्य माताजी के चरणों में मालवीय नगर से. 7 समाज के अध्यक्ष गिरिश सरखेलियां, मंत्री संजय जैन वरिष्ठ उपाध्यक्ष प्रकाश छाबडा संरक्षक पं. विमल बनेठा सहित सारे समाज ने अल्प प्रवास हेतु श्रीफल समर्पित किया।

शाबाश इंडिया समाचार पत्र के सफल 11वर्ष पूर्ण होने पर संपादक श्री राकेश गोदिका व उनकी सम्पूर्ण टीम को

हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं

अश्विनी - मधु गोधा

नेमी सागर कॉलोनी,जयपुर

लायंस क्लब जयपुर की मासिक बैठक संपन्न

जयपुर. शाबाश इंडिया। लायंस क्लब जयपुर स्पार्कल की मासिक मीटिंग णमोकार रेस्टोरेंट, महावीर नगर में आयोजित की गई, जिसमे लगभग सभी सदस्याओं की उपस्थिति रही। सभी की उपस्तिथि में व सर्वसम्मति से सत्र 2024-25 के लिए नई पी एस टी टीम की घोषणा की गई जिसमें ला. सुमित्रा गोलिया को अध्यक्ष, ला. राधा रानी मित्तल को सचिव, व ला. नीता गोयल को कोषाध्यक्ष चुना गया। वर्तमान क्लब अध्यक्ष ला. रानी पाटनी ने सभी का माल्यार्पण कर सभी को शुभकामनाएं दी क्लब फाउंडर ला. महादेवी जी ने भी नई पी एस टी टीम को ओजस्व पूर्ण उदभोदन के साथ नए सत्र में नई उपलब्धियां हासिल करने हेतु प्रेरित किया। सचिव ला.सुजाता स्वर्णकार ने अप्रैल माह की रिपोर्ट पढ़ी, स्वादिष्ट भोजन के साथ मीटिंग का समापन हुआ।

नेट-थियेट पर भजनों की स्वर्ग गंगा

करनी कुछ ना करी, तुम मेरी राखो लाज हरि

जयपुर. शाबाश इंडिया। नेट-थियेट कार्यक्रमों की श्रृंखला में आज भजन की स्वर गंगा कार्यक्रम में भजन कलाकार गौरव भट्ट ने अपनी मधुर वाणी से भजन की ऐसी सरिता प्रवाहित कि की लोग भक्ति रस में हिलोरे लेन लगे। नेट-थियेट के राजेन्द्र शर्मा राजू ने बताया कि कलाकार गौरव ने अपने कार्यक्रम की शुरूआत सुरदास के भजन प्रभु मेरे अवगुण चित्त ना धरो, समदर्शी प्रभु नाम तिहारो,चाहो तो पार करो सुनाकर भजन की शुरूआत की। इसके बाद मीराबाई का भजन दरस बिना दुखन लागै नैन और फिर गुरुनानक की वाणी काहे रे बन खोजने जाई,सख निवासी सदा अलेपा तोही संगि समाई जैसे भजनों को बडे ही सुरीले अंदाज में प्रस्तुत कर सभी को मंत्रमुग्ध किया और अंत में तुम मेरी लाखों लाज हरि, तुम जानत सब अंतयार्मी,करनी कछु ना करी, सुनाकर श्रोताओं को भजनों की स्वर्गंगा में डुबकी लगवाई। इनके साथ सितार पर हरिहर शरण भट्ट और तबले पर विजय बानेत ने असरदार संगतकर भजनों की इस सुरीली शाम को भक्तिमय बना दिया' कार्यक्रम का संचालन सुप्रसिद्ध उद्घोषक आर डी अग्रवाल ने किया।संयोजक नवल डांगी तथा प्रकाश एवं कैमरा मनोज स्वामी एवं संगीत सागर गढवाल ने किया। मंच सज्जा अंकित शर्मा नोनू एवं जीवितेश शर्मा की रही।

केंसर स्वास्थ्य परिचर्चा में दिगंबर जैन सोश्यल ग्रुप वीर जयपुर ने किया डॉक्टर्स का सम्मान

जयपुर. शाबाश इंडिया

नारायणा हॉस्पिटल जयपुर द्वारा दिनांक 27 अप्रैल 2024 को दोपहर 12 बजे से 2 बजे तक दि फर्न होटल, दुगार्पुरा, जयपुर में कैंसर हैल्थ पर स्वास्थ्य परिचर्चा का आयोजन किया गया। परिचर्चा में नारायणा हॉस्पिटल की कैंसर विभाग की डायरेक्टर डॉ. निधि पाटनी ने कैंसर से सम्बन्धित मिथ एवं फैक्ट, रेडिएशन थेरेपी, कीमो थेरेपी के बारे में सभागार में मोजूद ऑडियंस को विस्तार से बताया, साथ ही ऑनकोलॉजी सर्जन डॉ. तेज प्रकाश सिंह ने कैंसर के मरीजों के ऑपरेशन में लेटेस्ट एडवांस तकनीक के बारे में जानकारी दी । परिचर्चा के माध्यम से नारायण हेल्थ के मार्केटिंग डायरेक्टर बलविंदर वालिया ने नारायणा हॉस्पिटल में उपलब्ध विशेष सुविधाओं के बारे में लोगो को बताया। दिगंबर जैन सोशल ग्रुप वीर के अध्यक्ष नीरज झ्र रेखा जैन ने बताया कि परिचर्चा के समापन पर दिगंबर जैन सोश्यल ग्रुप वीर जयपुर द्वारा सभी डॉक्टर्स को माला, दुप्पटा पहनाकर, प्रशस्ति पत्र एवं मोमेंटो देकर सम्मानित किया गया। दिगंबर जैन सोशल ग्रुप फेडरेशन राज. रीजन जयपुर के अध्यक्ष राजेश बड़जात्या ने अपने संबोधन में नारायणा हॉस्पिटल जयपुर के कैंसर रोग विभाग के सभी डॉक्टर्स एवं मार्केटिंग टीम का उनके मानव सेवा के योगदान हेतु आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर राज. रीजन के महासचिव निर्मल संघी, दिगंबर जैन महासमिति राजस्थान के महामंत्री महावीर बाकलीवाल, डॉ. राजेंद्र कुमार जैन, उर्मिला जैन, डॉ. नमोकार जैन, शान्तिलाल काला, सरला संघी, वीर ग्रुप से सचिव पंकज जैन, कशिश जैन, कोमल जैन, अभिलाषा जैन, दिगंबर जैन सोशल ग्रुप अग्रसेन के अध्यक्ष राहुल जैन मौजूद रहे।

मातृ पितृ छाया वृद्ध आश्रम के संचालकों ने 105 सृष्टि भूषण माताजी से आशीर्वाद लिया

राजेश जैन दद्दू. शाबाश इंडिया

टीकमगढ़। मातृशक्ति संगठन एक गैर राजनीति के गैर अनुदान प्राप्त, सामाजिक संस्था है जो विगत 12 सालों से सामाजिक क्षेत्रों में कार्य कर रही है वर्तमान में टीकमगढ़ का एक मात्र वृद्ध आश्रम ''मातृ पितृ छाया वृद्ध आश्रम'' को संचालित कर रही है जिसमें वृद्ध माता-पिता को सभी सुविधा उपलब्ध कराने की कोशिश के साथ संगठन गरीब बच्चों के इलाज, दिव्यांग बच्चों के क्षेत्र में कार्यरत है,गरीब बेटियों के विवाह, पर्यावरण और गौ संरक्षण के क्षेत्र में भी कार्य कर रही है,उक्त मातृ पितृ छाया वृद्ध आश्रम को संचालित करने वाली समाजसेविकाओ ने 105 सृष्टि भूषण माता जी के पपौरा जी मे दर्शन कर आशीर्वाद लिया। इस अवसर पर श्रद्धा चौहान, मधु मिश्रा, शारदा नायक,किरण शर्मा रचनाभाईजी,सीमा पटेल, ज्या बुंदेला, शिवांगी पाठक, पिंकी बत्रा, रेखा नायक, स्वाति सिंह गौर, संध्या दुबे, सरिता तिवारी, संध्या सोनी , बर्षा लोहिया जहां उपस्थित रही। भूमिपुत्र पवन घुवारा ने विस्तार से जानकारी मे बताया कि परम पूजनीय जिनधर्म प्रभाविका आर्यिका105 सृष्टि भूषण माताजी आप में वही सरलता वात्सल्य सभी के प्रति रहती है। चाहे व्यक्ति किसी वर्ग से हो। आपके लिए सब समान हैं सर्वोपरि। आपके द्वारा महानगर दिल्ली समेत सिद्ध क्षेत्र श्री सम्मेद शिखरजी झारखंड, सिद्ध क्षेत्र सोनागिर जी मध्य प्रदेश, अतिशय क्षेत्र श्री महावीर जी राजस्थान मैं भक्तों के सहयोग से श्री सृष्टि मंगलम फाउंडेशन ऐसी संस्थाओं की स्थापना करवाई। जिसके माध्यम से हर वर्ग के लोग लाभान्वित हो सके। आपके आशीर्वाद से एवं निर्देशन में जगह जगह निशुल्क भोजनालय खुलवाए गए। छात्रवृत्ति शिक्षण शिविर, संस्कार शिविर, पूजन विधान शिविर, वस्त्र वितरण ट्राई साइकिल बैसाखी कानों की मशीन सिलाई मशीन कंबल निशुल्क दवाइयों के वितरण के साथ साथ असहाय गरीब लड़कियों की शादी करवाना एवं साथ-साथ बेरोजगार परिवारों को कार्य दिलवाने के कार्य किए जा रहे हैं इन सभी कार्यों के मध्य आप का चिंतन होना। असाध्य एवं अर्थ उपेक्षित व्याधियों जिनका उपचार तो है। कैंसर और थैलेसीमिया जैसी दो बड़ी बीमारियों को ध्यान में रखते हुए आप की प्रेरणा से श्री आदि सृष्टि कैंसर ट्रस्ट का गठन हुआ। पिछले कई दशकों से कैंसर पीड़ित व्यक्तियों, दिव्यांगजन, अनाथ बच्चों की शिक्षा एवम्महिला रोजगार के लिए राष्ट्रीय स्तर पर एक महा अभियान चला कर सृष्टि के मानव ग्रह भारतीय भू-वसुंधरा का संताप हरण कर रहीं हैं। कैंसर पीड़ितों एवं गरीबों की सेवा के लिए सृष्टि भूषण माता श्री का योगदान अंतरराष्ट्रीय ख्याति का है । जिनधर्म प्रभाविका आर्यिका 105 श्री सृष्टि भूषण माताजी को मानव कल्याणार्थ किए गए अति विशिष्ट कार्यों के लिए **International News And Views Corporation** द्वारा मानव रत्न अलंकरण से सम्मानित किया गया है । आर्यिका श्री विश्वयश माता जी अपने साथ जुड़े लाखो भक्तों को एक ही सन्देश दिया है- ''मेरा तो है बस एक ही सपना, स्वस्थ सुखी हो जीवन सबका'' आशीर्वाद के साथ संकल्पित और समर्पित है।

विदाई पार्टी में जमकर थिरकी सीआरडीएवी गर्ल कॉलेज की छात्राएं

रमेश भार्गव. शाबाश इंडिया

ऐलनाबाद। शहर के डबवाली रोड़ स्थित सीआरडीएवी गर्ल्स कॉलेज की फाइनल इयर की छात्राओं के लिए 2 दिवसीय विदाई समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर कॉलेज चेयरमैन ईश कुमार मेहता, संस्थान निदेशक जगदीश मेहता व प्रिंसिपल डॉ बूटा सिंह ने दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया ।प्रथम दिवस बीए द्वितीय की छात्राओं ने अपने सीनियर के लिए बेहद खूबसूरत प्रतिस्पर्धा का आयोजन किया ।जिसके आधार पर मिस फेयरवेल का ताज फाइनल ईयर की दिव्या, मिस ईव गीता, मिस परफॉर्मर रिया को मिला। दूसरे दिन बीकॉम और बीएससी की छात्राओं ने अपने सीनियर ओर समूह स्टॉफ का ढोल नगाड़े बजाकर स्वागत किया। इसके साथ साथ सीनियर छात्राओं ने कई चरणों में अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। छात्राओं ने कैटवॉक, डांस, गीत-संगीत परफॉर्मेंस, व प्रश्नोत्तरी राऊंड में जोरदार प्रस्तुति दी। जिसके आधार पर बीएससी में मिस फेयरवेल ज्योति, मिस परफॉर्मेंस रूपाली, मिस पर्सनेलिटी मनीषा बनी।बीकॉम में मिस फेयरवेल भावना सोनी, मिस परफोरेंस प्रांची बंसल, मिस पर्सनेलिटी मुस्कान चुनी गई। इस अवसर पर कार्यकारी निदेशक करुण मेहता, अनंत कथुरिया, दीप शिखा मेहता व समूह स्टॉफ सदस्यों ने उज्जवल भविष्य की कामना करते हुए भावभीनी विदाई दी।

पिंक पर्ल सोशल ग्रुप का गौसेवा कार्यक्रम हुआ आयोजित

शाबाश इंडिया. अमन जैन कोटखावदा

जयपुर। दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप पिंक पर्ल का पिंजरापोल गोशाला मे गायों को चारा, गुड एवं पक्षियों को चुगा खिलाने का कार्यक्रम सानंद हुआ संपन्न।इस अवसर पर ग्रुप अध्यक्ष मुकेश पाटनी, सचिव अनिल जैन, कोषाध्यक्ष पवन सेठी, उपाध्यक्ष विमल सौगानी, प्रकाश लुहाडिया, अरविन्द बिलाला, अमित गोधा नितेश काला, राजेश सौगानी, पवन अजमेरा, कुलदीप जैन, पंकज जैन, नरेश जैन, सुरेंद्र सौगानी अनुपमा बिलाला, अंजू सौगानी रूचि सेठी, सुनीता जैन, आदि उपस्थित रहे। कार्यक्रम संयोजक मनीष सौगानी, मनीष पाटनी, पवन सेठी एवं अंकित दोषी रहे। इस अवसर पर सेवक फाउंडेशन की और से गायों के लिए पानी पिने के लिए टंकीया भी उपलब्ध करवाई जाएगी जो की पिंक पर्ल ग्रुप की और से अलग स्थल पर लगायी जाएगी।

नारेली गौ शाला में हरा चारा अर्पण किया

अजमेर. शाबाश इंडिया। श्री दिगम्बर जैन महिला महा समिति एवं युवा संभाग की सर्वोदय कालोनी इकाई के द्वारा नारेली गौशाला में हरा चारा खिलाया। रेणु पाटनी ने बताया कि सुबह डा. एसके पाटोदी, वीना पटौदी के द्वारा नारेली मे 108 कलशो से अभिषेक किए गए व प्रभारी सुकान्त भैया के सानिध्य में शांति धारा व विध्नहरण मुनिसुव्रत नाथ भगवान का विधान किया गया विधान मे पूजा के अर्घ पंडित अंकुर शास्त्री ने बोले बाद में सभी सदस्यों ने एक ट्राली हरा चारा गायों को खिलाया। अध्यक्ष मधु जैन, मंत्री गुण माला गंगवाल ने बताया कि समिति की युवा प्रकोष्ठ मंत्री रेणु पाटनी, सरला जैन, चिंता मणिगोधा, निशा पाटनी, गुण माला सेठी, पुष्पा लुहाडिया, विनय पाटनी, अशोक गोधा, मुकेश पाटनी आदि मोजूद रहे। बाद में राष्ट्रीय कार्य अध्यक्ष मधु पाटनी ने सभी का आभार व्यक्त किया। **-मनीष पाटनी,अजमेर**

आचार्य सुनील सागर जी महाराज का हुआ मंगल प्रवेश

रोहित जैन. शाबाश इंडिया

नसीराबाद। अंकलीकर परम्परा के चतुर्थ पट्टाचार्य आचार्य सुनील सागर जी महाराज का शनिवार को नगर में मंगल प्रवेश हुआ। आचार्य सुनील सागर जी महाराज अपने संघस्थ मुनियों, क्षुल्लकों व आर्यिकाओं के साथ शनिवार को प्रातः निकटवर्ती ग्राम देराठू अतिशय क्षेत्र से विहार कर नसीराबाद पहुंचे। जहां उनका स्थानीय दिगंबर जैन समाज की ओर से ताराचंद सेठी की नसियां पर भव्य स्वागत किया गया। बाद में उन्हें जैन धर्मावलंबी ढोल-ढमाकों के साथ जुलूस के रूप में मुख्य बाजार स्थित आदिनाथ दिगंबर जैन मंदिर लाया। जहां उन्होंने धर्म सभा को संबोधित किया। जुलूस के दौरान रास्ते में कई जगह जैन धर्मावलंबियों की ओर से आचार्य सुनील सागर जी महाराज के पाद प्रक्षालन किए गए। अपरान्ह ज्ञान सागर समाधि स्थल पर स्वाध्याय व सायं गुरुभक्ति का कार्यक्रम सम्पन्न हुआ।

आपके विचार

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक राकेश जैन गोदिका द्वारा प्रकाशित दैनिक-ईपेपर 'शाबाश इंडिया' आम पाठक और समाज में जागरूकता फैलाने में सेतू का काम कर रहा है। आप अपने क्षेत्र के समाचार, आलेख, विचार आदि ई-मेल कर सकते हैं या निम्न नंबरों पर वाट्सअप कर सकते हैं।

सम्पादकः राकेश जैन गोदिका
@ 94140 78380, 92140 78380

दैनिक ई-पेपर
शाबाश इंडिया
shabaasindia@gmail.com
weeklyshabaas@gmail.com